भारत सरकार

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 288

(दिनांक 27.11.2024 को उत्तर देने के लिए)

वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट

288. श्री बिद्युत बरन महतोः
श्री जुगल किशोरः
डॉ. आलोक कुमार सुमनः
श्री भर्तृहरि महताबः
श्री लुम्बा रामः
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः
श्री जगदम्बिका पालः
श्री मनोज तिवारीः

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा भारत के मीडिया और मनोरंजन उद्योग में सुधार लाने और इसके वैश्विक प्रभाव का विस्तार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ख) वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (डब्ल्यूएवीईएस) के अंतर्गत एनीमे, संगीत, नृत्य, गेमिंग आदि शैलियों में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) और (ख): सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने 5 से 9 फरवरी, 2025 तक नई दिल्ली में वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) के पहले संस्करण के आयोजन की घोषणा की है। वेव्स का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और निवेश के लिए एक रणनीतिक मंच के रूप में कार्य करते हुए वैश्विक मंच पर भारत के मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना है। दुनिया भर के हितधारकों- जिनमें निर्माता, वितरक, प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तक और नीति निर्माता शामिल हैं- को एक साथ लाकर यह शिखर सम्मेलन सह-निर्माण, वितरण साझेदारी और प्रतिभाओं के आदान-प्रदान के अवसर सृजित करता है। यह शिखर सम्मेलन अपनी तरह की अनूठी परिवर्तनकारी पहल है जो उद्योग के

सभी क्षेत्रों को एक मंच पर लाकर भारतीय उद्योग को वैश्विक सामग्री केंद्र के रूप में स्थापित करती है।

वेव्स के पूर्ववर्ती के रूप में, "क्रिएट इन इंडिया चैलेंजेस (सीआईसी): सीजन 1" को भारतीय प्रतिभा को प्रदर्शित करने और विभिन्न रचनात्मक क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में लॉन्च किया गया है। वर्तमान में, एनीमेशन, गेमिंग, कॉमिक्स, फिल्म, प्रसारण, संगीत, न्यू मीडिया, उभरती प्रौद्योगिकियों आदि जैसे क्षेत्रों में एम एंड ई क्षेत्र में 27 चैलेंज संचालित किए जा रहे हैं।

इसके अलावा, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उभरती प्रौद्योगिकियों में सामग्री निर्माण हेतु स्किल सेट बनाने के लिए इंडियन इन्सटीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेकनोलॉजीज (आईआईसीटी) की स्थापना को अनुमोदित कर दिया है। इससे डिजिटल क्रिएटरों को भी सहायता मिलेगी और इसके परिणामस्वरूप देश में क्रिएटर इकोनॉमी में वृद्धि होगी।

इसके अलावा, भारतीय फिल्म निर्माताओं और विभिन्न देशों के फिल्म निर्माताओं के बीच फिल्मों के सह-निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने विभिन्न देशों के साथ सत्रह ऑडियो विजुअल सह-निर्माण करार किए हैं, ताकि दोनों देशों के फिल्म निर्माताओं के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके और उन्हें वित्तीय प्रोत्साहन सहित संस्थागत सहायता प्रदान की जा सके। इंडिया सिने हब एकल विंडो अनुमोदन प्रक्रिया प्रदान करके व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देता है जो स्थानों और संसाधनों के लिए सहायता प्रदान कर अंतर्राष्ट्रीय निर्माणों को सुविधाजनक बनाता है।

*****